अथवा / OR

जैन मूर्तिकला की विकास यात्रा का वर्णन कीजिए।

Discuss the journey of development of Jain idol art.

प्र. 4. दिगम्बर साहित्य पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on Digembara literature.

अथवा / OR

जैन धर्म में आगम वाचना का वर्णन कीजिए।

Explain Aagam Vachna in Jainism.

प्र. 5. किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए –

Write short note on any four-

(i) महाकाव्यों का संक्षिप्त वर्णन / Write a short note on epics

(ii) अरिष्टनेमि / Arishtnemi

(iii) पूजा विधि / The method of worship

(iv) दक्षिण भारत में जैन धर्म / Jainism in South India

(v) आचार्य परम्परा के दो आचार्यों का वर्णन /
Explain about two Acharyas in in Acharya tradition.

(vi) जंबूचरियं / Jambu Cariyam

♦♦♦

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

DISTANCE EDUCATION EXAMINATION - 2023

M. A. IN JAINOLOGY AND COMPARATIVE RELIGION & PHILOSOPHY

(PREVIOUS YEAR)

PAPER I - JAIN HISTORY, CULTURE, LITERATURE AND ART

TIME : 3.00 HOURS **ROLL NO. .....** **MM : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. भगवान ऋषभ से जैन धर्म का उद्भव हुआ – इस तथ्य को विवेचित करें।

Jainism originated from Bhagwan Rishebh - Explain it.

अथवा / OR

भगवान महावीर के जीवन–दर्शन पर प्रकाश डालिए।

Highlight the life sketch of Lord Mahavira.

प्र. 2. जैन तीर्थ स्थानों का विवेचन कीजिए।

Explain about the Jain historical Holy Places.

अथवा / OR

जैन पर्व पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on Jain festivals.

प्र. 3. जैन चित्रकला किन–किन रूपों में प्राप्त है, विस्तार से लिखिए।

Jain painting are found in different ways, explain in detail.

प्र. 3. पंचास्तिकाय ग्रन्थ की विषयवस्तु लिखिए।

Write the subject matter of Panchastikaya text.

अथवा / OR

जैनाचार विषयक किन्हीं दो ग्रन्थों का परिचय लिखिए।

Write an Introduction of any two texts related to Jain Ethics.

प्र. 4. श्रावक की ग्यारह प्रतिमाओं का वर्णन कीजिए।

Describe the eleven kinds of intensive discipline of House holder.

अथवा / OR

जैन आचार का उद्‌भव और विकास लिखिए।

Write the origin and development of Jain Ethics.

प्र. 5. श्रमणाचार का वर्णन कीजिए।

Describe the Ethics of Monks.

अथवा / OR

वर्तमान युग में करूणा के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

Explain the importance of kindness in current era.

♦♦♦

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

DISTANCE EDUCATION EXAMINATION - 2023

M.A. IN JAINOLOGY AND COMPARATIVE RELIGION & PHILOSOPHY

(PREVIOUS YEAR)

PAPER II - JAIN METAPHYSICS AND ETHICS

TIME : 3.00 HOURS **ROLL NO. .....** **MM : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. सत् के स्वरूप को विस्तार से लिखिए।

Write in detail the nature of existance.

अथवा / OR

द्रव्य–गुण–पर्याय में भेदाभेद स्पष्ट कीजिए।

Explain the Identify cum difference of substance.

प्र. 2. जीवास्तिकाय का वर्णन विस्तार से कीजिए।

Describe the Jivastikaya in detail.

अथवा / OR

पुद्‌गल का स्वरूप लिखिए।

Write the nature of matter.

अथवा / OR

क्रियायोग को विस्तार से समझाए।

Explain Kriyayoga in detail.

प्र. 4. कर्म की पौद्गलिकता व भेद–प्रभेद को विस्तार से समझाए।

Explain the Corporeality and types and sub-types of karma.

अथवा / OR

कर्म बन्ध के हेतु एवं प्रक्रिया को समझाए।

Explain the cause of bondage and process of it.

प्र. 5. कर्मवाद व पुनर्जन्म पर निबन्ध लिखें।

Write an essay on Karmavada & Rebirth.

अथवा / OR

कर्म सिद्धान्त और मनोविज्ञान पर एक निबन्ध लिखें।

Write an essay on Karma theory & Psychology.

♦♦♦

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

DISTANCE EDUCATION EXAMINATION - 2023

M.A. IN JAINOLOGY AND COMPARATIVE RELIGION & PHILOSOPHY

(PREVIOUS YEAR)

PAPER III - JAIN THEORY OF DHYANA, YOGA AND KARMA

TIME : 3.00 HOURS **ROLL NO. .....** **MM : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन योग के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

Explain the nature of Jain Yoga.

अथवा / OR

ध्यान के स्वरूप व भेद पर प्रकाश डाले।

Throw light on nature and types of meditation.

प्र. 2. प्रेक्षाध्यान को विस्तार से समझाए।

Explain Preksha Meditation in detail.

अथवा / OR

लेश्याध्यान के स्वरूप व भेदों को समझाए।

Explain the nature and types of Leshya Dhyan.

प्र. 3. ध्यान के विषय पर निबन्ध लिखे।

Write an essay on subject of Meditation.

प्र. 3. केवलज्ञान को परिभाषित करते हुए उसके भेद–प्रभेदों की व्याख्या करें।

Define the perfect knowledge & explain its types and subtypes.

अथवा / OR

सिद्ध केवलज्ञान के बारे में लिखते हुए विभिन्न दर्शनों में सर्वज्ञता की अवधारणा पर प्रकाश डालें।

Explain Siddha kevalagyan and the concept to omniscient knowledge (Sarvagyata) in different philosophies.

प्र. 4. जैन दर्शन में प्रमाण के स्वरूप पर प्रकाश डालें।

Highlight about the concept of Pramana in Jain Philosophy.

अथवा / OR

आचार्य हेमचन्द्र का जैन न्याय एवं प्रमाण मीमांसा को क्या योगदान है?

Write the contribution of Acharya Hemchandra to Jain Nyaya and Pramana Mimansa.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए–

Write short notes on any four of the following-

(i) स्मृति प्रमाण / Memory Pramana

(ii) अनुमान के अवयव / The five parts of inference (Anumana)

(iii) प्रमाण एवं प्रमिति का भेदाभेद /
Explain Identity-cum-difference between Pramana & Pramiti

(iv) हेमचन्द्र के अनुसार हेतु के पांच प्रकार /
Five types of causes as per Hemchandra

(v) हेत्वाभास के प्रकार / Types of Hetvabhasa

♦♦♦

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

DISTANCE EDUCATION EXAMINATION - 2023

M.A. IN JAINOLOGY AND COMPARATIVE RELIGION & PHILOSOPHY

(PREVIOUS YEAR)

PAPER IV - JAIN EPISTEMOLOGY AND JAIN LOGIC

TIME : 3.00 HOURS **ROLL NO. .....** **MM : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन ज्ञान मीमांसा के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालें।

Highlight the origin and development of Jain epistemology or theory of knowledge?

अथवा / OR

दर्शन के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए ज्ञान एवं दर्शन में भेदरेखा को स्पष्ट करें।

Highlight the nature of the perception and write the demarcations between knowledge and perception.

प्र. 2. नन्दीसूत्र के आधार पर प्रत्यक्ष ज्ञान के प्रकारों को लिखते हुए इंद्रिय प्रत्यक्ष के अन्तर्गत श्रुतनिश्रित मतिज्ञान पर प्रकाश डालें।

What is direct knowledge as per Nandi Sutra? Highlight about the Shrutnishrit Matigyan as a direct sense perception knowledge.

अथवा / OR

अंग प्रविष्ट एवं अंगबाह्य तथा कालिक एवं उत्कालिक आगमों की विषय वस्तु पर प्रकाश डालें।

Write about two types of Conons namely Angas and upangas and about the contents of kaalika and utkaalika agam in detail.